



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 21]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 23 मई 2014-ज्येष्ठ 2, शके 1936

भाग 3 (1)

विज्ञापन

अन्य सूचनाएं

नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम विवाह के पूर्व “प्रीति फर्नांडिस पुत्री श्री सनी आर्थर फर्नांडिस” था, परन्तु विवाह पश्चात् मुझे “प्रीति मेंडोंज़ा पति पैट्रिक मेंडोंज़ा” के नाम से जाना-पहचाना जावे साथ ही समस्त व्यवहार भविष्य में “प्रीति मेंडोंज़ा पति पैट्रिक मेंडोंज़ा” इस नाम से ही किया जावे.

पुराना नाम :

(प्रीति फर्नांडिस)

पुत्री श्री सनी आर्थर फर्नांडिस

(67-बी.)

नया नाम :

(प्रीति मेंडोंज़ा)

पति श्री पैट्रिक मेंडोंज़ा

7, श्रीमंगल नगर, इन्दौर.

जाहिर सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र उदित चन्द्रशेखर जाधव के 10वीं की अंकसूची में पिता का नाम चन्द्रशेखर की जगह पर शेखर हो गया है.

अतः मेरा सही नाम चन्द्रशेखर ही है एवं मुझे इसी नाम से शासकीय व अशासकीय कार्यों में जाना व पहचाना जाये. सो सूचित हों.

(चन्द्रशेखर जाधव)

756/8, नंदानगर चर्च के पास,

इन्दौर (मध्यप्रदेश).

(68-बी.)

CHANGE OF NAME

I was known as Dnyaneshwar Moolchand Nema. I have changed my name and henceforth I shall be known as Dnyaneshwar Nema S/o Moolchand Nema. Resident of F-8, Bhoomika Apartment, Narmada Road, Katanga, Jabalpur (M.P.) 482001.

Old Name :

(Dnyaneshwar Moolchand Nema)

(69-B.)

New Name :

(Dnyaneshwar Nema)

CHANGE OF NAME

I was known as Vivek Kumar Rajak, I have changed my name and henceforth I shall be known as Vivek Rajak S/o Mr. Rajesh Kumar Rajak. Resident of H. No. 722, Gupteshwar Ward, Hathital Colony, Jabalpur (M.P.).

Old Name :

New Name :

(Vivek Kumar Rajak)

(Vivek Rajak)

(70-B.)

उप नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि, मैं डॉ. सुन्दरलाल राठौर, निवासी—दिनेश बिरले, राजेश ठक्कर के मकान के पास, सनावद रोड, खरगौन, जिला खरगौन एवं स्थाई निवासी ग्राम टोकी, तहसील मनावर, जिला धार, मध्यप्रदेश पर निवास करता हूँ. मैं अपना नाम डॉ. सुन्दरलाल राठौर को परिवर्तित कर डॉ. सुन्दरलाल पटेल करना चाहता हूँ, जिसे मेरे सर्विस रिकार्ड में परिवर्तित किया जावे.

पुराना नाम :

नया नाम :

(सुन्दरलाल राठौर)

(सुन्दरलाल पटेल)

(75-बी.)

उप नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे नाम के साथ उपनाम पूर्व में श्रेयांस गुप्ता पिता अनिल कुमार था, जिसे मेरे द्वारा दिनांक 05-02-2014 को बदलकर श्रेयांस खण्डेलवाल कर दिया गया है. उपरोक्त दिनांक 05-02-2014 के बाद से मुझे श्रेयांस खण्डेलवाल के नाम से जाना एवं पहचाना जावे.

पुराना नाम :

नया नाम :

(श्रेयांस गुप्ता)

(श्रेयांस खण्डेलवाल)

(76-बी.)

176-बी, सुर्यदेव नगर,
इन्दौर (म. प्र.).

उप नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे नाम के साथ उपनाम पूर्व में कार्तिक गुप्ता पिता अनिल कुमार था, जिसे मेरे द्वारा दिनांक 05-02-2014 को बदलकर कार्तिक खण्डेलवाल कर दिया गया है. उपरोक्त दिनांक 05-02-2014 के बाद से मुझे कार्तिक खण्डेलवाल के नाम से जाना एवं पहचाना जावे.

पुराना नाम :

नया नाम :

(कार्तिक गुप्ता)

(कार्तिक खण्डेलवाल)

(77-बी.)

176-बी, सुर्यदेव नगर,
इन्दौर (म. प्र.).

नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, दिनेश कुमार राव के स्थान पर वास्तविक नाम दिनेश राव शेड्यें है. अब मुझे इसी नाम से जाना-पहचाना जावेगा.

पुराना नाम :

नया नाम :

(दिनेश कुमार राव/दिनेश राव)

(दिनेश राव शेड्यें)

(78-बी.)

सी-5, पंजाबी बाग,
भोपाल (म. प्र.).

उप-नाम परिवर्तन

मैं, पूर्व में अपना नाम कु. प्रीति अहिरवार लिखती थी. अब मुझे कुमारी प्रीति सिंह के नाम से जाना व पहचाना जावे एवं समस्त शासकीय, निजी व कानूनी पत्र व्यवहार में संबोधित किया जावे.

पुराना नाम :

(कु. प्रीति अहिरवार)

पुत्री श्री बरेलाल अहिरवार.

(83-बी.)

नया नाम :

(कुमारी प्रीति सिंह)

पुत्री श्री बरेलाल अहिरवार,

बी-230, वैष्णव अपार्टमेंट,

डी-ब्लाक, सुरेन्द्र पैलेस, भोपाल (म. प्र.).

नाम परिवर्तन

मेरा पूर्व नाम अनुशखा मनोज भाटिया था, जो परिवर्तन कर अनुशखा भाटिया हो गया है. अब मैं इसी नाम से जानी-पहचानी जाऊंगी. अनुशखा भाटिया पुत्री मनोज भाटिया. बी-1/301 ए, विष्णु हाईटेक सिटी, बावड़िया कलां, भोपाल (म. प्र.).

पुराना नाम :

(अनुशखा मनोज भाटिया)

पुत्री श्री मनोज भाटिया.

(82-बी.)

नया नाम :

(अनुशखा भाटिया)

पुत्री श्री मनोज भाटिया,

बी-1/301 ए, विष्णु हाईटेक सिटी,

बावड़िया कलां, भोपाल (म. प्र.).

NOTICE

This is declare that I am changing my Son's name "Kshiitij Gahoi" to "Kshiitij Gupta". Now he will be known as "Kshiitij Gupta" son of Ravi Prakash Gupta, Residence Rawat Sadan, Chitnis Ki Goth, Lashkar, Gwalior (M.P.) 474001.

(79-B.)

(Ravi Prakash Gupta)

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स सफायर इन्फ्राटेक दिनांक 30-03-2010 से एक पंजीकृत साझेदारी फर्म रजि. नं. 02/42/01/00003/सन् 10-11 के रूप में कार्य कर रहे हैं. जिसे कि पूर्व में दिनांक 07-02-2011 को संशोधित किया जा चुका है. अब पुनः संशोधित साझेदारी विलेख दिनांक 08-03-2013 के द्वारा श्री संजय अरोरा पुत्र स्व. आर. पी. अरोरा, उम्र 39 वर्ष, निवासी सिटी सेन्टर, ठाठीपुर, ग्वालियर स्वेच्छा से त्यागपत्र देकर हट रहे हैं तथा इनके स्थान पर नये भागीदार के रूप में (1) श्री रोहित वाधवा (एच.यू.एफ.) पुत्र श्री पी. सी. वाधवा, निवासी-कृष्णकुंज, गाँधी रोड, ग्वालियर सम्मिलित हुये हैं. इस तरह साझेदारी विलेख दिनांक 08-03-2013 द्वारा उपरोक्त फर्म में निम्नलिखित साझेदार वर्तमान में हैं—(1) श्री महेश भारद्वाज पुत्र श्री मुनालाल भारद्वाज, उम्र-47 वर्ष, निवासी-28, ललितपुर कॉलोनी, लश्कर, ग्वालियर, (2) डॉ. पुरुषोत्तम जाजू पुत्र स्व. श्री हरगोविन्द जाजू, उम्र-58 वर्ष, निवासी-रॉयल हॉस्पिटल, कम्पू रोड, लश्कर, ग्वालियर, (3) श्री रोहित वाधवा (एच.यू.एफ.) पुत्र श्री पी. सी. वाधवा, उम्र-40 वर्ष, निवासी-कृष्णकुंज, गाँधी रोड, ग्वालियर तथा फर्म का पंजीकृत पता कृष्णकुंज, गाँधी रोड, ग्वालियर यथावत रहेगा.

हर आम खास व्यक्ति को सूचित हो.

(71-बी.)

मैसर्स सफायर इन्फ्राटेक,

महेश भारद्वाज,

(पार्टनर)

कृष्णकुंज, गाँधी रोड, ग्वालियर.

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स सफायर इन्फ्राटेक दिनांक 30-03-2010 से एक पंजीकृत साझेदारी फर्म रजि. नं. 02/42/01/00003/सन् 10-11 के रूप में कार्य कर रहे हैं. जिसे कि पूर्व में दिनांक 07-02-2011 तथा दिनांक 08-03-2013 को संशोधित किया जा

चुका है. अब पुनः संशोधित साझेदारी विलेख दिनांक 11-10-2013 के द्वारा डॉ. पुरुषोत्तम जाजू पुत्र स्व. श्री हरगोविन्द जाजू, निवासी-रॉयल हॉस्पिटल, कम्पू रोड, लश्कर, ग्वालियर दिनांक 01-10-2013 से प्रभावशील, स्वेच्छा से त्यागपत्र देकर हट रहे हैं तथा इनके स्थान पर नये भागीदार के रूप में—(1) श्री जयदीप अग्रवाल पुत्र श्री जगदीश अग्रवाल, निवासी—100, नया बाजार, ग्वालियर, (2) श्री अरविन्द अग्रवाल पुत्र श्री कृष्ण गोपाल अग्रवाल, निवासी-गीता कॉलोनी, हॉस्पिटल रोड, ग्वालियर दिनांक 01-10-2013 से सम्मिलित हुये हैं. इस तरह साझेदारी विलेख दिनांक 11-10-2013 (प्रभावशाली दिनांक 01-10-2013) द्वारा उपरोक्त फर्म में निम्नलिखित साझेदार वर्तमान में हैं—(1) श्री रोहित वाधवा (एच.यू.एफ.) पुत्र श्री पी. सी. वाधवा, निवासी-कृष्णकुंज, गाँधी रोड, ग्वालियर, (2) श्री महेश भारद्वाज पुत्र श्री मुन्नालाल भारद्वाज, निवासी-28, ललितपुर कॉलोनी, लश्कर, ग्वालियर, (3) श्री जयदीप अग्रवाल पुत्र श्री जगदीश अग्रवाल, निवासी—100, नया बाजार, ग्वालियर, (4) श्री अरविन्द अग्रवाल पुत्र श्री कृष्ण गोपाल अग्रवाल, निवासी-गीता कॉलोनी, हॉस्पिटल रोड, ग्वालियर तथा अब फर्म के पते में भी परिवर्तन किया गया है जो कि कृष्णकुंज, गाँधी रोड, ग्वालियर न होकर फर्म का नवीन पंजीकृत पता दिनांक 01-10-2013 से प्रभावशील होकर कोस्मो वेली, बोस्टन कॉलेज के पास, ग्राम डोंगरपुर, ग्वालियर में रहेगा.

हर आम खास व्यक्ति को सूचित हो.

मैसर्स सफायर इन्फ्राटेक,

महेश भारद्वाज,

(पार्टनर)

कृष्णकुंज, गाँधी रोड, ग्वालियर.

(71-A-बी.)

आम सूचना

आम जनता एवं समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि मैसर्स “शुभ लोजिस्टिक्स” (फर्म) पता-455/1, जवाहरगंज वार्ड, गढ़ाफाटक, जबलपुर, मध्यप्रदेश, जो कि एक भारतीय साझेदारी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत फर्म है, जो कि 25-05-2013 को गठित की गई थी. जिसके गठन के समय 3 पार्टनर निम्नानुसार हैं.—

- (1) श्री विनीत जैन आत्मज स्व. श्री प्रकाश चंद जैन, पता-270, गढ़ाफाटक, जबलपुर, मध्यप्रदेश.
- (2) श्री संजय अग्रवाल आत्मज स्व. श्री विजय कुमार अग्रवाल, पता-455/1, जवाहरगंज वार्ड, गढ़ाफाटक, जबलपुर, मध्यप्रदेश.
- (3) श्री आनंद गर्ग आत्मज श्री एच. के. गर्ग, पता-प्लॉट नम्बर 7, कंचन एवेन्यू, तुलसी नगर, जबलपुर, मध्यप्रदेश.

दिनांक 31-03-2014 को पार्टनर श्री विनीत जैन आत्मज स्व. श्री प्रकाश चंद जैन फर्म से निवृत्त (रिटायर) हो चुके हैं एवं जिसका डीड में संशोधन कर लिया गया है एवं उक्त तिथि के पश्चात् शेष 2 पार्टनरों के द्वारा फर्म का संचालन किया जा रहा है. जिसके बावत आज सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है.

फर्म-शुभ लोजिस्टिक्स

संजय अग्रवाल,

(पार्टनर).

(72-बी.)

जाहिर सूचना

This is to inform that the firm "M/s. Maa Enterprises" (Reg. No. 07/35/01/00092/11, Dated 05-02-2011) situated at near Bhuriya Mandir, Jeevaganj, Mandsaur (M.P.). Has admitted Shri Govindvijay Vargiya as new partner w.e.f. 27-02-2013. Has retired Sai Darshan Infraways Pvt. Ltd., w.e.f. 27-02-2013 as per Indian Partnership Act, 1932. Has increased the share of Abhilashini Commosales Pvt. Ltd. by 10% which is already a partner in the firm.

For-Abhilashini Commosales Pvt. Ltd.

Jamna Bafna,

(Director).

(74-B.)

सार्वजनिक सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि, भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 के तहत निर्मित एवं पंजीकृत भागीदार फर्म मैसर्स मधुर डेवलपर्स, पता 11-सी, स्नेह नगर, इन्दौर है जिसका पंजीयन क्रमांक 03/27/03/00028/05, दिनांक 20-05-2005 है. जिसके भागीदार—1. श्री घनश्याम रामानी पिता श्री जेठानन्द रामानी, निवासी 72-73, स्कीम नंबर 101, इन्दौर, 2. श्री सुनील नारंग पिता श्री महेन्द्र कुमार, निवासी जानकी नगर एक्सटेंशन, इन्दौर, 3. श्रीमति मधु रामानी पति श्री घनश्याम रामानी, निवासी 72-73, स्कीम नंबर 101, इन्दौर, 4. श्रीमति रीता नारंग पति श्री सुनील नारंग, निवासी जानकी नगर एक्सटेंशन, इन्दौर थे, जिसमें से श्रीमति मधु रामानी व श्रीमति रीता नारंग दो भागीदार दिनांक 20-12-2013

को फर्म से पृथक हो गये हैं तथा इनके स्थान पर नवीन भागीदार श्रीमति निकिता नाहटा पति श्री अनिल नाहटा, निवासी 77-बी, बखतावर राम नगर, इन्दौर को दिनांक 20-12-2013 को शामिल कर लिया गया है तथा दिनांक 12-04-2014 को श्री घनश्याम रामानी व श्री सुनील नारंग दोनों भागीदार भी फर्म से अलग हो गये हैं इसी दिनांक से मेसर्स नाहटा इन्फ्रारियलिटी प्रायवेट लिमिटेड, सी-130, बखतावर राम नगर, इन्दौर को नये भागीदार के रूप में शामिल कर लिया है. अतः दिनांक 12-04-2014 से मेसर्स मधुर डेवलपर्स का पूरा कारोबार 1. श्रीमति निकिता नाहटा पति श्री अनिल नाहटा, 2. मेसर्स नाहटा इन्फ्रारियलिटी प्रायवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है एवं दोनों भागीदार ने आपसी सहमति से फर्म का पता भी परिवर्तित कर लिया है. अब इस फर्म का नया पता—मेसर्स मधुर डेवलपर्स-2/2, साउथ तुकोगंज, सिल्वर माल के पीछे, इन्दौर, म. प्र. हो गया है. विदित हो.

वास्ते—मेसर्स मधुर डेवलपर्स,

1. श्रीमति निकिता नाहटा,

2. मे. नाहटा इन्फ्रारियलिटी प्रायवेट लिमिटेड.

(भागीदार).

(73-बी.)

जाहिर सूचना

सर्व-साधारण को सूचित करने में आता है कि मेसर्स टैक्सपर्ट इन्टरनेशनल एक भागीदारी फर्म है, जो कपास एवं धागे के उत्पादन से संबंधित व्यवसाय करती है, जिसका कार्यालय प्लॉट नं. 82-बी एवं 83-सी, इण्डस्ट्रीयल एरिया-I, देवास में स्थित है. मेसर्स टैक्सपर्ट इन्टरनेशनल के मध्य एक भागीदारी लेख भागीदारगण—(1) श्री रमेशचन्द्र गुप्ता पिता स्व. श्री हुकुमचन्द्र गुप्ता, उम्र 59 वर्ष, निवासी-203, रिवोली अपार्टमेंट, 135-137, वैकुण्ठधाम, इन्दौर-452018, (2) श्री कैलाशचन्द्र गुप्ता पिता स्व. श्री हुकुमचन्द्र गुप्ता, उम्र 49 वर्ष, निवासी-एम. सी. कॉलोनी, रोहतक रोड, भिवानी-127021 (हरियाणा), (3) श्री निहालसिंह निर्बान पिता स्व. श्री एस. एस. निर्बान, उम्र-66 वर्ष, निवासी एफ. एच.-60, स्कीम नं. 54, विजय नगर, इन्दौर (म. प्र.)-452010, (4) श्री विद्यानंद मुन्धे पिता विवेकचन्द्र मुन्धे, उम्र 39 वर्ष, निवासी-1491, सी. वार्ड, लक्ष्मीपुरी, कोलापुर-416008 के मध्य दिनांक 04 अप्रैल, 2011 को निष्पादित किया गया था. उक्त भागीदारी लेख के तहत भागीदारगणों के द्वारा व्यवसाय किया जाता रहा. दिनांक 31-03-2013 को भागीदार फर्म के एक भागीदार श्री विद्यानंद मुन्धे स्वेच्छा से निवृत्त हो गये. उन्हें अन्य भागीदारों के द्वारा किये जा रहे उक्त व्यवसाय के नाम एवं स्टाईल को निरंतर जारी रखने में कोई आपत्ति नहीं है. श्री विद्यानंद मुन्धे का उक्त भागीदार फर्म से अब किसी भी प्रकार का कोई हक्क, स्वत्व, अधिकार दावा करने का, कोई व्यवसायिक अंश या लाभ-हानि में किसी भी प्रकार लेन-देन इत्यादि का अधिकार शेष नहीं है. इस हेतु वह पूर्ण रूप से सहमत हैं. तत्पश्चात् दिनांक 13 जून, 2013 को उक्त फर्म का विघटन लेख दो गवाहों के समक्ष भागीदारगणों के मध्य स्वेच्छा से निष्पादित किया गया.

उक्त के संबंध में यदि किसी संस्था, भागीदार फर्म के पार्टनर्स इत्यादि को किसी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो जाहिर सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के अन्दर मय दस्तावेजी प्रमाण के मेरे कार्यालय में उपस्थित हों. अन्यथा अवधि पश्चात् जाहिर सूचना के संबंध में किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी. सो सूचित हों.

साधना नेहलानी,

एडवोकेट.

(80-बी.)

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मोहन ट्रांसपोर्ट एजेन्सी फर्म से दिनांक 1-1-2014 से श्रीमती करूणा सिंह एवं श्रीमती सुशीला सिंह की स्वेच्छा से भागीदारी समाप्त कर दी गई है एवं नये भागीदार के रूप में श्री सन्तोष सिंह, श्री अमर बहादुर सिंह एवं श्री ग्यान सिंह, श्री प्रभाकर सिंह एवं श्री बलरामदास गुप्ता को सम्मिलित किया जाता है. श्री वीरेन्द्र सिंह यथावत रहेंगे.

यदि किसी को किसी तरह की आपत्ति हो तो वर्तमान पते पर एक हफ्ते के अन्दर सूचित करें.

मे. मोहन ट्रांसपोर्ट एजेन्सी,

प्रभाकर सिंह,

(पार्टनर)

ए-5, जनपद पंचायत कॉम्प्लेक्स,

पटना हाउस के सामने, विश्वविद्यालय रोड,

खुटेही, रीवा 486001.

(81-बी.)

विविध

आयुक्तों तथा जिलाध्यक्षों की सूचनाएं

कार्यालय कलेक्टर, जिला बड़वानी

बड़वानी, दिनांक 22 अप्रैल, 2014

क्र. 4259/व.लि. 1/2014.—मध्यप्रदेश आपत्तिजनक कै, हैजा-आंत्रशोथ विनियम, 1983 के नियम-3 एवं नियम-5 के अन्तर्गत उक्त रोग फैलने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए मैं, शोभित जैन, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला बड़वानी सम्पूर्ण बड़वानी जिले को उपर्युक्त नियम के उद्देश्य की पूर्ति हेतु अधिसूचना जारी होने के दिनांक से छः माह की कालावधि तक के लिए अधिसूचित क्षेत्र घोषित करता हूँ।

शोभित जैन,

(343)

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी.

न्यायालयों की सूचनाएं

न्यायालय उपखंड अधिकारी/पंजीयक, लोक न्यास, बिजावर, जिला छतरपुर

प्र. क्र. 03/बी-113/08-09.

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-5 की उपधारा (2) और मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 का नियम 5 (1) देखिये]

मेरे न्यायालय में एक आवेदन-पत्र पेश कर यह प्रकट किया गया है कि “श्री चित्रगुप्त मंदिर ट्रस्ट” बिजावर, तहसील बिजावर, जिला छतरपुर (मध्यप्रदेश) का जो सूची (ए) में उक्त मंदिर की संपत्ति क्रमशः दर्शित है, जो सूची संलग्न है।

ट्रस्ट पंजीयन के लिये एवं कार्यकारिणी का गठन संपादन हेतु निम्नानुसार किया है जो प्रारूप तृतीया में देखिये नियम 4 (2) के अनुसार संलग्न सूची में दर्शित है जो इस ट्रस्ट का संचालन करते हुए ट्रस्ट के गठन के पश्चात् नियमावली के अनुसार संपादित करेंगे। इस आवेदन-पत्र की सुनवाई मेरे समक्ष की जा रही है इस कारण यह सार्वजनिक विज्ञप्ति प्रसारित कर यह आदेश देता हूँ कि इस विज्ञप्ति के राजपत्र में प्रकाशित होने के एक माह के अंदर जो भी आपत्ति हो मेरे समक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा इस प्रकरण की सुनवाई की जावेगी और आप लोगों की आपत्ति बाद में ग्राह्य योग्य नहीं होगी।

यह विज्ञप्ति मेरे आदेश व हस्ताक्षर से जारी की गई।

बी. के. पाण्डेय,

(344)

उपखंड अधिकारी एवं रजिस्ट्रार.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक, लोक न्यास, अनुविभाग, मुरैना

मुरैना, दिनांक 01 मई, 2014

प्र. क्र. 03/13-14/बी-113.

बनाम :—हर आम जनता, मुरैना.

जयें उद्घोषणा द्वारा हर आम जनता, मुरैना को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अभय देव पुत्र मधुसूदन देव न्यास, कार्यालय का स्थायी पता दुकान क्र. 10, टाउन हाल, जीवाजी गंज, मुरैना मध्यप्रदेश लोक न्यास पंजीयन 1951 की धारा-04 के अन्तर्गत “अभय प्रतिष्ठान ट्रस्ट” के गठन किये जाने संबंध में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है :—

1. न्यास का पूरा नाम— अभय प्रतिष्ठान ट्रस्ट.
2. न्यास कार्यालय का स्थायी पता—दुकान क्र. 10, टाउन हाल, जीवाजीगंज, मुरैना (मध्यप्रदेश).
3. लोक न्यास का उद्गम, प्रकृति और उद्देश्य—आम जनता के भलाई के लिये सार्वजनिक सूचना उपलब्ध कराना, शिक्षा संचार, आर्थिक सुविधा उपलब्ध कराना, विकलांग व्यक्तियों के लिये आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना आदि.
4. न्यास की चल/अचल संपत्ति का विवरण—50,000/-
5. न्यास की आय का स्रोत—न्यासी एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा दान में दी गई राशि.

उक्त ट्रस्ट के पंजीयन के संबंध में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 45 दिवस के अन्दर इस न्यायालय में प्रस्तुत करें. अवधि समाप्ति के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा.

आज दिनांक 01 मई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया.

अशोक कम्ठान,

(346)

अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक, लोक न्यास, उपखण्ड जावद, जिला नीमच

प्र. क्र. 02/बी-113 (1)/2012-13.

प्रोसेस नं. 44

दिनांक 5-5-2014

प्रारूप क्रमांक-4

[देखें नियम 5 (1)]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) और मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 का नियम 5 (1) के द्वारा]

आवेदक अध्यक्ष श्री जगदीशचंद्र पिता कन्हेयालाल काबरा, निवासी जावद, लक्ष्मीनाथ मंदिर ट्रस्ट, जावद, तहसील जावद, जिला नीमच (मध्यप्रदेश) ने मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-4 के अंतर्गत एक आवेदन अनुसूची में विनिर्दिष्ट संपत्ति के लिए लोक न्यास के रूप में पंजीकृत किये जाने के लिए आवेदन किया है, एतद्द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि कथित आवेदन पर प्रकरण संस्थित किया जाकर आगामी पेशी तारीख 16-06-2014 पर मेरे न्यायालय में विचार में लिया जावेगा।

किसी आपत्ति या सुझाव को करने का आशय रखते हुए कथित न्यास या संपत्ति में हितबद्ध कोई व्यक्ति को इस सूचना-पत्र के प्रकाशन की तारीख से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करना चाहिए और मेरे समक्ष उपरोक्त तारीख पर या तो व्यक्तिशः अथवा प्लीडर या अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित होना चाहिए। उपरोक्त अवधि के अवसान के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों को विचार में नहीं लिया जावेगा।

अनुसूची

- लोक न्यास का नाम और पता : श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर न्यास, लक्ष्मीनाथ चौक,, जावद, जिला नीमच (मध्यप्रदेश)
- संपत्ति का विवरण : 1. अचल सम्पत्ति—ग्राम जावद में श्री लक्ष्मीनाथ जावद की 8 दुकानें जिनके नगर पंचायत, जावद में वाद प्रस्तुती दिनांक को 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2506 व 2507 है. जावद में मंदिर की कृषि आराजी सर्वे क्रमांक 2606 रकबा 0.711 हैक्टेयर.
2. चल सम्पत्ति—माननीय अपर जिला न्यायाधीश महोदय नीमच के प्रकरण क्रमांक 12ए/2011 में पारित डिक्री आदेश दिनांक 22-08-2012 अनुसार.

(348)

के. एस. सेन,
अनुविभागीय अधिकारी.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, बण्डा, जिला सागर

रा. प्र. क्र. 246 बी/121 वर्ष 2012-13

मौजा बरखेरा प.ह.नं.-01.

तहसील बण्डा, जिला-सागर मध्यप्रदेश

नारानसींग पिता गम्भीर सींग लोधी,
निवासी ग्राम बरखेरा, तहसील बण्डा, जिला सागर, म. प्र.

.....आवेदक

विरुद्ध

मध्यप्रदेश शासन

.....अनावेदक

सर्व-साधारण को इश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक नारानसींग पिता गम्भीर सींग लोधी, निवासी ग्राम बरखेरा, तहसील बण्डा, जिला सागर, मध्यप्रदेश द्वारा मौजा ग्राम बरखेरा प.ह.नं.-01, तहसील बण्डा में स्थित मंदिर श्री श्री 108 महावीर स्वामी जी शाखा सरवाह वार पंचम कमेटी के नाम खसरा नंबर 53, 118, 127, 162, 187, 266 कुल 06 मेडे रकबा क्रमशः 0.77, 0.80, 1.01, 0.02, 0.22, 1.10 कुल रकबा 3.920 हे. भूमि जो श्री श्री 108 महावीर स्वामी जी शाखा सरवाह वार पंचम कमेटी कम्मोद सींग पिता भूरे भूमि स्वामी सींग लोधी महतापकार प्रबंधक कलेक्टर सागर, पता सा. देह भूमि स्वामी दर्ज है, को नारानसींग पिता गम्भीर सींग लोधी, निवासी ग्राम बरखेरा के नाम (मोहत्तमकार नियुक्त दर्ज) किये जाने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है.

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सक्षम में स्वयं अथवा अपने वैध

प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है. वाद म्याद निकलने पर आपत्ति पर किसी भी प्रकार का गौर नहीं किया जावेगा तथा आपत्ति मान्य नहीं होगी न ही सुनवाई की जावेगी.

इशतहार मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा से जारी.

जारी दिनांक 03 मई, 2014.

पेशी दिनांक 20 मई, 2014.

(349)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक, सार्वजनिक न्यास, बण्डा, जिला सागर

बण्डा, दिनांक 03 मई, 2014

प्र. क्र. बी/113 वर्ष 2013-14

मौजा-ओड़ाहो, तह. बण्डा, जिला-सागर.

क्र./ /रीडर-1/2014.—एतद्द्वारा सर्व-साधारण को जरिये इशतहार के द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री देव जानकी रमण मंदिर एवं श्री देव महावीर जी मंदिर ग्राम ओड़ाहो, तहसील बण्डा, जिला सागर जो इस न्यायालय की ट्रस्ट पंजी पर क्रमांक (ब) पर पंजीकृत है. उक्त मंदिर का ट्रस्ट गठन कर पंजीयन हेतु मंदिर समिति द्वारा निम्नानुसार प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :—

क्र.	प्रस्तावित नाम	पदनाम
1.	श्री सुखराम पिता भगवान सींग लोधी सा. ओड़ाहो	अध्यक्ष
2.	श्री मुलू सिंह पिता फकीरे लोधी सा. ओड़ाहो	उपाध्यक्ष
3.	श्री राजू सिंह पिता भगवान सींग लोधी सा. ओड़ाहो	सचिव
4.	श्री बबलू सिंह पिता रतन सिंह लोधी सा. ओड़ाहो	कोषाध्यक्ष
5.	श्री रतन पिता नंनाई लोधी ग्राम पटैल, सा. ओड़ाहो	सदस्य
6.	श्री उमराव पिता भूरे ग्राम कोटवार, सा. ओड़ाहो	सदस्य
7.	श्री महादेव पिता नारायण सिंह लोधी, सा. ओड़ाहो	सदस्य
8.	श्री घनश्याम पिता छुट्टी लोधी, सा. ओड़ाहो	सदस्य
9.	श्री उजयार सिंह पिता सुक्के सिंह लोधी, सा. ओड़ाहो	सदस्य
10.	श्री देशपत सिंह पिता लक्ष्मन सिंह लोधी, सा. ओड़ाहो	सदस्य

जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो या अपना सुझाव देना चाहते हों तो वह अपनी लिखित आपत्ति या सुझाव इस न्यायालय में पेशी दिनांक 20 मई, 2014 को न्यायालयीन समय में स्वयं या अपने वैध अधिकृत व्यक्ति/अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. बाद म्याद गुजरने पर आपत्ति या सुझाव को स्वीकार नहीं किया जावेगा.

इशतहार आज दिनांक 03 मई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी.

जारी दिनांक 01 मई, 2014.

पेशी दिनांक 20 मई, 2014.

(349-A)

नारायण सिंह ठाकुर,
अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक.

अन्य सूचनाएं

कार्यालय उप-आयुक्त सहकारिता एवं उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला शाजापुर

शाजापुर, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/360.—तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, गुलाना, जिला शाजापुर, पंजीयन क्रमांक 425, दिनांक 14 सितम्बर, 1987 को कार्यालयीन आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/138, शाजापुर, दिनांक 12 फरवरी, 2013 द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया गया था. परिसमापक से प्राप्त अन्तिम प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उक्त संस्था में कोई लेना-देना शेष नहीं रहा है.

अतः मैं, आर. के. मालवीय, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला शाजापुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ. उक्त संस्था का अस्तित्व आज दिनांक 29 मार्च, 2014 से निगमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है.

आर. के. मालवीय,
उप-पंजीयक.

(350)

कार्यालय उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, जिला इन्दौर

इन्दौर, दिनांक 29 अप्रैल, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

समस्त सदस्यगण,
(द्वारा अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी)
पता :-

क्र./परि./2014/1701.—फोटोग्राफर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., इन्दौर, जिसका पंजीयन क्रमांक/डी.आर./आय. डी. आर./380, दिनांक 13 अगस्त, 1984 है. जिसे आगे केवल संस्था कहा गया है, के द्वारा जिस प्रयोजन के लिये उसका पंजीयन किया गया था. उसकी पूर्ति नहीं की जा रही है.

संस्था अध्यक्ष द्वारा दिये गये पत्र दिनांक 13 अगस्त, 2012 से अवगत कराया है कि संस्था अपनी पंजीकृत उपविधि के प्रावधान अनुसार अंकेक्षण कार्य नहीं कराते हुए अकार्यशील है एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 के प्रावधानों अनुसार कार्य नहीं कर रही है.

इससे स्पष्ट है कि संस्था अपनी पंजीकृत उपविधि एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करने में विफल रही है एवं पूर्णतः अकार्यशील प्रतीत होती है. जिस प्रयोजन के लिये संस्था का पंजीयन किया गया है, उनकी पूर्ति नहीं हो रही है.

अतः मैं, जगदीश कनोज, उप-आयुक्त सहकारिता, जिला इन्दौर, मध्यप्रदेश सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 से प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये फोटोग्राफर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., इन्दौर का पंजीयन निरस्त करने से पूर्व इस कारण बताओ सूचना-पत्र के माध्यम से संस्था के समस्त सदस्यों को यह अवसर प्रदान करता हूँ कि इस सूचना-पत्र के जारी होने की दिनांक से 07 दिवस के अन्दर मुझे यह स्पष्ट करें कि उपरोक्त कारणों के रहते हुये क्यों न उक्त संस्था का पंजीयन मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-72(2) के अन्तर्गत निरस्त कर दिया जाये.

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 29 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है.

जगदीश कनोज,
उप-आयुक्त(सहकारिता).

(351)

कार्यालय सहायक-पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/57.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4583, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से महिला बहु. सह. संस्था मर्या., इकलौद, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./54, दिनांक 12 सितम्बर, 2004 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री लोकेश शर्मा, व.स.नि., कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी

समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत महिला बहु. सह. संस्था मर्या., इकलौद, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./54, दिनांक 12 सितम्बर, 2004 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/58.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4584, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से जय दुर्गे महिला बहु. सह. संस्था मर्या., इकलौद, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./53, दिनांक 12 जुलाई, 2004 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री लोकेश शर्मा, व.स.नि., कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत जय दुर्गे महिला बहु. सह. संस्था मर्या., इकलौद, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./53, दिनांक 12 जुलाई, 2004 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-A)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/59.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4585, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से अनु. जाति महिला बहु. सह. संस्था मर्या., लाडपुरा, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./21, दिनांक 12 सितम्बर, 2002 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री लोकेश शर्मा, व.स.नि., कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत अनु. जाति महिला बहु. सह. संस्था मर्या., लाडपुरा, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./21, दिनांक 12 सितम्बर, 2002 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-B)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/60.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4582, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से महिला बहु. सह. संस्था मर्या., गोपालपुरा, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./51, दिनांक 06 जुलाई, 2004 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री लोकेश शर्मा, व.स.नि., कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत महिला बहु. सह. संस्था मर्या., गोपालपुरा, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./51, दिनांक 06 जुलाई, 2004 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-C)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/61.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4601, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से प्राथमिक बुनकर सहकारी. संस्था मर्या., श्योपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एम.एन.ए./191, दिनांक 10 दिसम्बर, 1963 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री आर. पी. बरैलिया, अंकेक्षण अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत प्राथमिक बुनकर सहकारी संस्था मर्या., श्योपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एम. एन. ए./191, दिनांक 10 दिसम्बर, 1963 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-D)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/62.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4547, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से महिला बहु. सह. संस्था मर्या., गसवानी, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./39, दिनांक 17 जून, 2004 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री लोकेश शर्मा, व.स.नि., कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत महिला बहु. सह. संस्था मर्या., गसवानी, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./39, दिनांक 17 जून, 2004 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-E)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/63.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4560, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से माँ पीताम्बरा ईंधन क्रय-विक्रय सह. संस्था मर्या., विजयपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./55, दिनांक 21 जुलाई, 2004 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री लोकेश शर्मा, व.स.नि., कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत पीताम्बरा ईंधन क्रय-विक्रय सह. संस्था मर्या., विजयपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./55, दिनांक 21 जुलाई, 2004 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-F)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/64.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4550, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से जय शीतला महिला बहु. सह. संस्था मर्या., बड़ौदा कलां, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./45, दिनांक 23 जून, 2004 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री लोकेश शर्मा, व.स.नि., कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत जय शीतला महिला बहु. सह. संस्था मर्या., बड़ौदा कलां, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./45, दिनांक 23 जून, 2004 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-G)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/65.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4553, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से प्राथमिक उपभोक्ता सह. भण्डार मर्या., विजयपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एम. आर. एन./1082, दिनांक 03 सितम्बर, 1996 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री लोकेश शर्मा, व.स.नि., कार्यालय सहायक पंजीयक,

सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत प्राथमिक उपभोक्ता सह. भण्डार मर्या., विजयपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एम. आर. एन./1082, दिनांक 03 सितम्बर, 1996 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-H)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/66.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4603, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से बालाजी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., श्योपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./109, दिनांक 18 दिसम्बर, 2009 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री आर. पी. बैरिलिया, अंकेक्षण अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत बालाजी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., श्योपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./109, दिनांक 18 दिसम्बर, 2009 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-I)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/67.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4554, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से श्योपुर श्रमिक संस्था मर्या., श्योपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./68, दिनांक 15 फरवरी, 2006 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री आर. पी. बैरिलिया, अंकेक्षण अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत श्योपुर श्रमिक संस्था मर्या., श्योपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./68, दिनांक 15 फरवरी, 2006 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-J)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/68.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4600, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से ईंधन क्रय-विक्रय सह. संस्था मर्या., श्योपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./37, दिनांक 09 जून, 2004 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री आर. पी. बैरैलिया, अंकेक्षण अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत ईंधन क्रय-विक्रय सह. संस्था मर्या., श्योपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./37, दिनांक 09 जून, 2004 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-K)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/69.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4557, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्या., सलापुरा, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./31, दिनांक 08 अक्टूबर, 2003 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री आर. पी. बैरैलिया, अंकेक्षण अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्या., सलापुरा, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./31, दिनांक 08 अक्टूबर, 2003 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(352-L)

श्योपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/71.—इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2011/4558, दिनांक 04 अक्टूबर, 2011 से गांधी हड्डी चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., श्योपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./25, दिनांक 28 जून, 2003 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री आर. पी. बैरैलिया, अंकेक्षण अधिकारी, कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला श्योपुर मध्यप्रदेश को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था की देनदारी, लेनदारी के शून्य स्थिति विवरण पत्रक का अंकेक्षण सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला श्योपुर से कराए जाने के उपरान्त परिसमापक के अंतिम प्रतिवेदन एवं लेनदारी, देनदारी का समस्त निपटारा हो जाने के पश्चात् संस्था के अस्तित्व में बने रहने का कोई औचित्य नहीं होने से संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह, सहायक-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला श्योपुर, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक

एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत गांधी हड़डी चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., श्योपुर, जिला श्योपुर, जिसका पंजीयन क्र.ए. आर./एस. पी. आर./25, दिनांक 28 जून, 2003 है का पंजीयन निरस्त करता हूँ. संस्था इस आदेश की तारीख से विघटित समझी जावेगी एवं निगमित निकाय के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 25 अप्रैल, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

पुष्पेन्द्र कुमार कुशवाह,

सहायक-पंजीयक.

(352-M)

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/671.—तिलहन उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, ऑचलखेड़ा, पंजीयन क्रमांक 2297, दिनांक 03 अक्टूबर, 1987 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत तिलहन उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, ऑचलखेड़ा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री डी. एस. दुबे, को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/672.—महात्मा गाँधी क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, सेमरी हरचंद, पंजीयन क्रमांक 3029, दिनांक 02 मार्च, 2009 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत महात्मा गाँधी क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, सेमरी हरचंद को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. पी. कहार, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-A)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/673.—आदर्श क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, उटिया शंकर, पंजीयन क्रमांक 2890, दिनांक 17 मई, 2006 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.

4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत आदर्श क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, उटिया शंकर को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. पी. कहार, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-B)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/674.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, भिलाड़िया, पंजीयन क्रमांक 2804, दिनांक 13 अप्रैल, 2004 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, भिलाड़िया को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. पी. कहार, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(353-C)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/675.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, रेवामुहारी, पंजीयन क्रमांक 2867, दिनांक 30 जुलाई, 2005 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है।
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है।
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है।
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है।
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है।
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है।
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है।
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं।
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है।

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा।

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, रेवामुहारी को परिसमापन

में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. पी. कहार, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-D)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/677.—तिरूपति क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, ढिकवाड़ा, पंजीयन क्रमांक 2031, दिनांक 30 मई, 2009 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत तिरूपति क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, ढिकवाड़ा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री डी. एस. दुबे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-E)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/678.—जय साईं बाबा प्रा. उपभोक्ता सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी, पंजीयन क्रमांक 2432, दिनांक 16 सितम्बर, 1994 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत जय साईं बाबा प्रा. उपभोक्ता सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत विनीता चौधरी, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-F)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/679.—श्री कृष्ण सुदर्शन प्रा. उपभोक्ता सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी, पंजीयन क्रमांक 2546, दिनांक 22 जनवरी, 1996 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.

7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत श्री कृष्ण सुदर्शन प्रा. उप. सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत विनीता चौधरी, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-G)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/680.—जय भवानी ईधन आपूर्ति प्राथ. सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी, पंजीयन क्रमांक 2929, दिनांक 23 मई, 2007 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत जय भवानी ईंधन आपूर्ति प्राथ. सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत विनीता चौधरी, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-H)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/681.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, गौंची तरौदा, पंजीयन क्रमांक 2844, दिनांक 28 मई, 2008 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, गौंची तरौदा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत विनीता चौधरी, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-I)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/682.—नितिन प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी, पंजीयन क्रमांक 2455, दिनांक 08 जून, 1995 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिक्रिया कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, कांडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत नितिन प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत ज्योति सोनी, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-J)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/683.—मृत्युंजय यातायात सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी, पंजीयन क्रमांक 2816, दिनांक 18 अगस्त, 2004 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.

4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत मृत्युंजय यातायात सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत ज्योति सोनी, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-K)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/684.—बजरंग प्राथ. उप. सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी, पंजीयन क्रमांक 2642, दिनांक 22 अक्टूबर, 1997 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बजरंग प्राथ. उप. सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत ज्योति सोनी, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(353-L)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/685.—मंगला पौध, बीज क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, केसला खुर्द, पंजीयन क्रमांक 2950, दिनांक 05 जनवरी, 2008 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है।
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है।
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है।
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है।
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है।
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है।
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है।
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं।
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है।

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा।

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत मंगला पौध, बीज, क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, केसला खुर्द

को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री किशोर पाराशर, व. स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-M)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/690.—सुभाष चन्द्र बोस प्राथ. उपभोक्ता भण्डार सहकारी समिति मर्यादित, पिपरिया, पंजीयन क्रमांक 2762, दिनांक 01 जून, 2002 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत सुभाष चन्द्र बोस प्राथ. उ. भण्डार सहकारी समिति मर्यादित, पिपरिया को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री संतोष कतिया, व. स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-N)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/691.—पलकमति क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, सोहागपुर, पंजीयन क्रमांक 3036, दिनांक 04 जुलाई, 2009 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण

बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत पलकमति क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, सोहागपुर को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री संतोष कतिया, व. स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-O)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/692.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पिपरिया कलां, पंजीयन क्रमांक 2898, दिनांक 09 नवम्बर, 2000 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.

8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पिपरिया कलां को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री संतोष कतिया, व. स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-P)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/693.—क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, बघवाड़ा, पंजीयन क्रमांक 2886, दिनांक 26 अप्रैल, 2006 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, बघवाड़ा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री यू. एस. राठौर, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(353-Q)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/694.—नर्मदा सहकारी समिति मर्यादित, सिवनी-मालवा, पंजीयन क्रमांक 2903, दिनांक 12 दिसम्बर, 2006 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है।
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है।
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है।
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है।
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है।
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है।
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है।
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं।
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है।

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा।

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत नर्मदा सहकारी समिति मर्यादित, सिवनी-मालवा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री यू. एस. राठौर, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(353-R)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/695.—दि किसान पौध बीज क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, इकलानी, पंजीयन क्रमांक 2946, दिनांक 26 सितम्बर, 2007 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दि किसान पौध बीज क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, इकलानी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री यू. एस. राठौर, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-S)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/696.—महालक्ष्मी क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, सोहागपुर, पंजीयन क्रमांक 3017, दिनांक 22 दिसम्बर, 2008 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.

4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत महालक्ष्मी क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, सोहागपुर को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री संतोष कतिया, व. स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-T)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/697.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, खारदा, पंजीयन क्रमांक 2947, दिनांक 12 नवम्बर, 2007 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, खारदा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री यू. एस. राठौर, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(353-U)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/698.—तिलहन उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बज्जरवाड़ा, पंजीयन क्रमांक 2361, दिनांक 20 सितम्बर, 1991 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है।
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है।
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है।
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है।
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है।
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है।
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है।
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं।
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है।

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा।

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत तिलहन उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बज्जरवाड़ा को परिसमापन

में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री डी. एस. दुबे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-V)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/699.—श्री राम बीज क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, रोहना, पंजीयन क्रमांक 2856, दिनांक 09 जून, 2005 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत श्री राम बीज क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, रोहना को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री डी. एस. दुबे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-W)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/700.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, जमानी, पंजीयन क्रमांक 2825, दिनांक 04 मार्च, 2005 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र

क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, जमानी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत ज्योति सोनी, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-X)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/701.—सर्व प्राथ. उपभोक्ता सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी, पंजीयन क्रमांक 2646, दिनांक 09 मार्च, 1998 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.

7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत सर्च प्राथ. उपभोक्ता सहकारी समिति मर्यादित, इटारसी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री आर. के. दुगाया, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(353-Y)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/702.—कृष्ण दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, ताकू, पंजीयन क्रमांक 2977, दिनांक 22 जुलाई, 2007 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत कृष्ण दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, ताकू को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री आर. के. दुगाया, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(353-Z)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/704.—नीलम ईंधन सहकारी समिति मर्यादित, होशंगाबाद, पंजीयन क्रमांक 3044, दिनांक 12 जनवरी, 2010 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है।
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है।
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है।
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है।
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है।
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है।
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है।
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं।
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है।

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा।

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत नीलम ईंधन सहकारी समिति मर्यादित, होशंगाबाद को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री आर. के. दुगाया, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(354)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/706.—तिलहन उत्पादन सहकारी समिति मर्यादित, डोलरिया, पंजीयन क्रमांक 2148, दिनांक 16 अक्टूबर, 1982 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत तिलहन उत्पादन सहकारी समिति मर्यादित, डोलरिया को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री आर. के. दुगाया, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-A)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/710.—श्री साई मत्स्य उत्पाद उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, होशंगाबाद, पंजीयन क्रमांक 2916, दिनांक 01 मार्च, 2007 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.

4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत श्री साईं मत्स्य उत्पाद उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, होशंगाबाद को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री आर. एस. जाट, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-B)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/714.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, अजबगाँव, पंजीयन क्रमांक 2895, दिनांक 18 अगस्त, 2006 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, अजबगाँव को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री प्रकाश बत्रा, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(354-C)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/715.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, भिलाड़िया खुर्द, पंजीयन क्रमांक 2926, दिनांक 19 अप्रैल, 2007 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है।
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है।
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है।
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है।
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है।
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है।
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है।
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं।
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है।

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा।

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, भिलाड़िया खुर्द को

परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. पी. गेहलोत, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-D)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/716.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, रतवाड़ा, पंजीयन क्रमांक 2851, दिनांक 28 मई, 2005 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, रतवाड़ा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. पी. गेहलोत, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-E)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/717.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, हिरनखेड़ा, पंजीयन क्रमांक 2849, दिनांक 28 मई, 2005 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र

क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, हिरनखेड़ा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. पी. गेहलोत, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-F)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/718.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, धरमकुण्डी, पंजीयन क्रमांक 2848, दिनांक 28 मई, 2005 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.

7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, धरमकुण्डी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. पी. गेहलोत, सह. निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-G)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/719.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बोरतलाई, पंजीयन क्रमांक 2846, दिनांक 28 मई, 2005 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बोरतलाई को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री बी. के. शर्मा, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(354-H)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/720.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, घुघवासा, पंजीयन क्रमांक 2836, दिनांक 26 मई, 2005 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है।
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है।
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है।
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है।
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है।
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है।
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है।
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं।
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है।

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा।

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, घुघवासा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री बी. के. शर्मा, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(354-I)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/721.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, गूजरखेड़ी, पंजीयन क्रमांक 2666, दिनांक 28 जनवरी, 1999 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, गूजरखेड़ी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री बी. के. शर्मा, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-J)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/722.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, आरी, पंजीयन क्रमांक 2663, दिनांक 18 जून, 1998 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.

4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, आरी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री बी. के. शर्मा, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-K)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/732.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, देवरीकला, पंजीयन क्रमांक 2704, दिनांक 01 मई, 2000 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, देवरीकला को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री एस. के. पाठक, व. स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(354-L)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/734.—जय अम्बे माँ महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, सिलवानी, पंजीयन क्रमांक 2771, दिनांक 13 मार्च, 1999 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है।
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है।
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है।
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है।
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है।
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है।
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है।
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं।
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है।

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा।

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत जय अम्बे माँ महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, सिलवानी

को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री एस. के. पाठक, व. स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-M)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/733.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, सलैया किशोर, पंजीयन क्रमांक 2680, दिनांक 22 जनवरी, 1999 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, सलैया किशोर को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री एस. के. पाठक, व. स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-N)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/735.—माँ नर्मदा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, रामपुर, पंजीयन क्रमांक 3041, दिनांक 01 अगस्त, 2009 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत माँ नर्मदा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, रामपुर को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री एस. के. पाठक, व. स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-O)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/740.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, कुण्डकला, पंजीयन क्रमांक 2927, दिनांक 19 अप्रैल, 2007 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.

8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, कुण्डकला को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री एम. के. महतो, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-P)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/741.—नर्मदा महिला औद्योगिक सहकारी समिति मर्यादित, डोंगरवाड़ा, पंजीयन क्रमांक 2291, दिनांक 05 अगस्त, 2008 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत नर्मदा महिला औद्योगिक सहकारी समिति मर्यादित, डोंगरवाड़ा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की अस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री एम. के. मेहतो, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-Q)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/742.—वसुधारा रेशम औद्योगिक सहकारी समिति मर्यादित, मानागाँव, पंजीयन क्रमांक 2999, दिनांक 25 अगस्त, 2008 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत वसुधारा रेशम औद्योगिक सहकारी समिति मर्यादित, मानागाँव को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की अस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री एम. के. महतो, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-R)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/743.—माँ वैष्णव प्राथमिक महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, राईखेड़ी, पंजीयन क्रमांक 2763, दिनांक 11 जून, 2002 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत माँ वैष्णव प्राथमिक महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, राईखेड़ी, को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री एम. के. महतो, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-S)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/745.—दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बिसोनी कला, पंजीयन क्रमांक 2821, दिनांक 03 फरवरी, 2005 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.

4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बिसोनी कला को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. डी. पाल, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-T)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/744.—तिलहन उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, सांडिया, पंजीयन क्रमांक 2732, दिनांक 18 अक्टूबर, 1984 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, /2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत तिलहन उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, सांडिया को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. डी. पाल, उप. अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(354-U)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/746.—तवा विस्था. एवं प्रभा. आदि. मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित, उड़दौन, पंजीयन क्रमांक 2639, दिनांक 06 जून, 1997 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है।
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है।
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है।
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है।
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है।
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है।
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है।
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं।
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है।

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा।

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत तवा विस्था. एवं प्रभा. आदि. मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित, उड़दौन

को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. डी. पाल, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-V)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/747.—जय महाकाली बड़ी पापड़ सहकारी समिति मर्यादित, ढाबाकला, पंजीयन क्रमांक 2911, दिनांक 28 फरवरी, 2008 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत जय महाकाली बड़ी पापड़ सहकारी समिति मर्यादित, ढाबाकला को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री जी. डी. पाल, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-W)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/748.—जागृति महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, डाबका, पंजीयन क्रमांक 2783, दिनांक 09 जनवरी, 2003 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत जागृति महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, डाबका को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री उमेश यादव, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-X)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/749.—कृष्णा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, खापरखेड़ा, पंजीयन क्रमांक 2949, दिनांक 03 जनवरी, 2008 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण, 2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.

8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत कृष्णा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, खापरखेड़ा को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री उमेश यादव, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(354-Y)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/750.—सुलभ महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, काजलखेड़ी, पंजीयन क्रमांक 2831, दिनांक 31 मार्च, 2005 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत सुलभ महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, काजलखेड़ी को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री उमेश यादव, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(354-Z)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/752.—पलक बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, कलकुही, पंजीयन क्रमांक 3051, दिनांक 08 जुलाई, 2010 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है।
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है।
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है।
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है।
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है।
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है।
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है।
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं।
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है।

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा।

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया।

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण,/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है।

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत पलक बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, कलकुही को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री एस. एस. पगारे, स. नि. को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(355-A)

होशंगाबाद, दिनांक 29 मार्च, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2014/751.—माँ नर्मदा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, चौराहट, पंजीयन क्रमांक 2885, दिनांक 25 अप्रैल, 2006 को कार्यालय के पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/977, दिनांक 08 अगस्त, 2013 द्वारा सहायक आयुक्त (अंकेक्षण,) सहकारिता, जिला होशंगाबाद के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/अंकेक्षण./2013/242, दिनांक 05 जुलाई, 2013 के आधार पर निम्नलिखित कारणों से परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था.—

1. संस्था ने अधिनियम, नियम तथा उपविधियों का पालन करना बंद कर दिया है.
2. संस्था द्वारा वर्षवार अंकेक्षण, नहीं कराया गया है.
3. संस्था द्वारा पंजीकृत उपविधि में वर्णित उद्देश्य अनुसार कार्य नहीं किया है.
4. संस्था निर्वाचन कराने में असफल रही है.
5. संस्था द्वारा वार्षिक आमसभा आयोजित नहीं की गई है.
6. संस्था द्वारा विधिवत् रिकॉर्ड संधारित नहीं किया है.
7. संस्था विगत वर्षों से अकार्यशील होकर बंद है.
8. संस्था द्वारा निर्धारित समयावधि में वित्तीय पत्रक प्रस्तुत नहीं किये हैं.
9. प्रबंधकारिणी समिति एवं संस्था के सदस्यों का कार्य संचालन एवं प्रगति में कोई रुचि नहीं है.

इस कारण बताओ सूचना-पत्र से निर्देशित किया गया था कि सूचना-पत्र प्राप्त होने के 15 दिवस के अन्दर वर्णित आरोपों के सम्बन्ध में लिखित स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समिति को परिसमापन में लाया जावेगा.

जारी कारण बताओ सूचना-पत्र का निर्धारित समयावधि में समिति द्वारा कोई भी लिखित प्रतिउत्तर कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया गया.

पुनः सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, होशंगाबाद द्वारा पत्र क्रमांक/अंकेक्षण/2014/105, दिनांक 01 मार्च, 2014 से समिति को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम एवं संस्था उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण परिसमापन में लाने की अनुशंसा की गई है.

उपरोक्त कारणों से मेरा यह समाधान हो गया है कि समिति अकार्यशील है एवं आगे कोई कार्य करने हेतु इच्छुक नहीं है तथा समिति को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक है.

अतः मैं, काडमू पाटनकर, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, होशंगाबाद, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/ एफ-5-2-2010-15-1-सी, दिनांक 23 अक्टूबर, 2010 द्वारा पंजीयक की मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत माँ नर्मदा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, चौराहट को परिसमापन में लाता हूँ एवं समिति की आस्तियों एवं देयताओं के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत श्री उमेश यादव, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 29 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

काडमू पाटनकर,
उप-पंजीयक.

(355)



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 21]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 23 मई, 2014-ज्येष्ठ 2, शके 1936

भाग 3 (2)

सांख्यिकीय सूचनाएं

कार्यालय आयुक्त, भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश

मौसम, फसल एवं पशु-स्थिति का साप्ताहिक प्रतिवेदन, सप्ताहान्त बुधवार, दिनांक 22 जनवरी, 2014

1. मौसम एवं वर्षा.—राज्य में इस सप्ताह आकाश मेघाच्छादित रहा है तथा राज्य के निम्नलिखित जिलों में वर्षा का होना पाया गया है.

(अ) 0.1 मि. मी. से 17.4 मि. मी. तक.—तहसील अम्बाह, पोरसा (मुँरैना), चन्देरी (अशोकनगर), गुना, राधौगढ़, आरोन, कुंभराज (गुना), बल्देवगढ़, ओरछा (टीकमगढ़), राहतगढ़ (सागर), सिरमौर, गुढ़ (रीवा), सोहागपुर, जैतपुर, बुढ़ार, गोहपारू (शहडोल), जेतहरी, अनूपपुर, कोतमा, पुष्पराजगढ़ (अनूपपुर), पाली (उमरिया), चुरहट, रामपुर नैकिन (सीधी), महिदपुर, तराना, उज्जैन, बड़नगर (उज्जैन), शाजापुर (शाजापुर), झाबुआ, राणापुर (झाबुआ), रायसेन, गोहरगंज, सिलवानी, बाड़ी (रायसेन), विदिशा, बासौदा, कुरवाई, सिरोंज, लटेरी, गुलाबगंज, नटेरन (विदिशा), पाटन, जबलपुर, मझौली, कुन्डम (जबलपुर), ढीमरखेड़ा (कटनी), निवास, बिछिया, नैनपुर, मण्डला, घुघरी, नारायणगंज (मण्डला) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

(ब) 17.5 मि. मी. से 34.9 मि. मी. तक.—तहसील मुँरैना, कैलारस (मुँरैना), ग्वालियर, डबरा, भितरवार, घाटीगांव (ग्वालियर), करैरा (शिवपुरी), बमोरी (गुना), निवाड़ी, जतारा, टीकमगढ़, पलेरा (टीकमगढ़), लवकुशनगर, गौरीहार, छतरपुर, राजनगर, बड़ामलहरा, बक्सवाहा (छतरपुर), अजयगढ़ (पन्ना), खुरई, बण्डा, सागर, रेहली, मालथोन (सागर), त्योंथर, मऊगंज, हनुमना, हजूर, रायपुरकचुलियान (रीवा), जैसिंहनगर (शहडोल), सिंहावल (सीधी), घटिया, नागदा (उज्जैन), थांदला, मेघनगर, पेटलावद (झाबुआ), गैरतगंज, बेगमगंज, बरेली, उदयपुरा (रायसेन), ग्यारसपुर (विदिशा), सीहोरा (जबलपुर), कटनी, रीठी, बहोरीबंद, बड़वारा (कटनी) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

(स) 35.0 मि. मी. से 53.1 मि. मी. तक.—तहसील जौरा, सबलगढ़ (मुँरैना), श्योपुर, कराहल (श्योपुर), खनियाधाना, पोहरी (शिवपुरी), पृथ्वीपुर (टीकमगढ़), नौगांव (छतरपुर), पन्ना, गुन्नौर, पवाई, शाहनगर (पन्ना), देवरी, गढ़ाकोटा, केसली, शाहगढ़ (सागर), व्यौहारी (शहडोल), बांधवगढ़ (उमरिया), गोपदवनास, मझौली, कुसमी (सीधी), सुबासरा-टप्पा, मानपुर, गरोठ, कयामपुर, शामगढ़, संजीत (मंदसौर), खाचरौद (उज्जैन), बरही, विजयराघवगढ़ (कटनी) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

(द) 53.2 मि. मी. से 244.9 मि. मी. तक.—तहसील विजयपुर (श्योपुर), शिवपुरी, पिछोर, नरवर, कोलारस, बदरवास (शिवपुरी), बिजावर (छतरपुर), मानपुर (उमरिया), मल्हारगढ़, मंदसौर, धुन्धडका, सीतामऊ (मंदसौर) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

2. **जुताई.**—जिला श्योपुर, रीवा, शहडोल, जबलपुर में रबी फसलों की जुताई का कार्य कहीं-कहीं चालू है.
3. **बोनी.**—जिला श्योपुर, रीवा में रबी फसलों की बोनी का कार्य कहीं-कहीं चालू है.
4. **फसल-स्थिति.**—उमरिया ओला एवं वर्षा से रबी फसल क्षतिग्रस्त हुई एवं मंदसौर में खड़ी फसल गेहूँ, अलसी, राई-सरसों को 5 से 10 प्रतिशत रबी फसलों को नुकसान हुआ है.
5. **कटाई.**—जिला बैतूल फसल गन्ना व नीमच में मक्का, सोयाबीन, उड़द, मूंगफली, तिली व राई-सरसों की कटाई का कार्य कहीं-कहीं चालू है.
6. **सिंचाई.**—जिला ग्वालियर, शहडोल, उमरिया में सिंचाई हेतु पानी कहीं-कहीं अपर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है.
7. **पशुओं की स्थिति.**—राज्य के प्रायः सभी जिलों में पशुओं की स्थिति संतोषप्रद है.
8. **चारा.**—राज्य के प्रायः सभी जिलों में चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है.
9. **बीज.**—राज्य के प्रायः सभी जिलों में बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है.
10. **खेतिहर श्रमिक.**—राज्य के प्रायः सभी जिलों में खेतिहर श्रमिक पर्याप्त संख्या व उचित दर पर उपलब्ध हैं.

मौसम, फसल तथा पशु-स्थिति का साप्ताहिक सूचना-पत्रक, सप्ताहांत बुधवार, दिनांक 22 जनवरी, 2014

जिला/तहसीलें	1. सप्ताह में हुई वर्षा:- (अ) वर्षा का माप (मि.मी.) में (ब) वर्षा कम है या बहुत अधिक.	2. कृषि कार्यों की प्रगति तथा उन पर वर्षा का प्रभाव:- (अ) प्रारम्भिक जुताई पर. (ब) बोनी पर. (स) रोपाई पर, अगर धान की रोपाई होती हो. (द) खड़ी फसल पर, रोग व कीड़ों के आक्रमण के असर का वर्णन सहित. (य) कटी हुई फसल पर.	3. अन्य असामयिक घटना और उसका फसलों पर प्रभाव. 4. खड़ी फसल का व्यापक रूप से अनुमान, गत वर्ष की तुलना में :- (1) फसल का क्षेत्रफल - (अ) अधिक, समान या कम. (ब) प्रतिशत. (2) फसल की हालत- (अ) सुधरी हुई, समान या बिगड़ी हुई. (ब) प्रतिशत.	5. सिंचाई के लिये पानी (कम अथवा अधिक). 6. पशुओं की हालत तथा चारे की प्राप्ति.	7. बीज की प्राप्ति. 8. कृषि-सम्बन्धी मजदूरों की प्राप्ति.
1	2	3	4	5	6
जिला मुरैना :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. अम्बाह	08.0				
2. पोरसा	15.0				
3. मुरैना	33.0				
4. जौरा	46.0				
5. सबलगढ़	45.0				
6. कैलारस	25.0				
जिला श्योपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) तुअर, गन्ना, गेहूँ, जौ, चना, राई-सरसों समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. श्योपुर	43.0				
2. कराहल	47.0				
3. विजयपुर	62.0				
*जिला भिण्ड :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. अटेर	..				
2. भिण्ड	..				
3. गोहद	..				
4. मेहगांव	..				
5. लहार	..				
6. मिहोना	..				
7. रौन	..				
जिला ग्वालियर :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गन्ना, मूँग-मोठ, तुअर, मूँगफली, तिली अधिक. उड़द कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. ग्वालियर	33.9				
2. डबरा	24.0				
3. भितरवार	21.3				
4. घाटीगांव	24.0				
जिला दतिया :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) मक्का. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सेवड़ा	..				
2. दतिया	..				
3. भाण्डेर	..				
जिला शिवपुरी :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गन्ना, गेहूँ, चना अधिक. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. शिवपुरी	76.0				
2. पिछोर	74.0				
3. खनियाधाना	48.0				
4. नरवर	93.0				
5. करैरा	23.0				
6. कोलारस	102.0				
7. पोहरी	43.0				
8. बदरवास	62.0				

1	2	3	4	5	6
जिला अशोकनगर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. ..
1. मुँगावली	0.0		4. (1) सोयाबीन, गेहूँ अधिक. उड़द, मक्का, गन्ना, चना कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. ईसागढ़	0.0		(2) ..		
3. अशोकनगर	0.0				
4. चन्देरी	2.0				
5. शाढौरा	..				
6. नई सराय	..				
जिला गुना :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. गुना	5.0		4. (1) गेहूँ, चना समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. ..
2. राधौगढ़	4.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बमोरी	28.0				
4. आरोन	1.0				
5. चाचौड़ा	..				
6. कुम्भराज	2.0				
7. मक्सूदन	..				
जिला टीकमगढ़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. निवाड़ी	26.0		4. (1) तुअर, गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, राई-सरसों, अलसी समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पृथ्वीपुर	35.0		(2) ..		
3. जतारा	19.0				
4. टीकमगढ़	20.0				
5. बल्देवगढ़	7.0				
6. पलेरा	19.0				
7. ओरछा	11.0				
जिला छतरपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. लवकुशनगर	26.0		4. (1) ज्वार, अरहर अधिक. तिल कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. गौरीहार	31.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. नौगांव	35.0				
4. छतरपुर	28.3				
5. राजनगर	29.2				
6. बिजावर	58.0				
7. बड़ामलहरा	28.8				
8. बक्सवाहा	20.6				
जिला पन्ना :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. ..
1. अजयगढ़	30.2		4. (1) मक्का, तुअर, उड़द, सोयाबीन, चना, राई-सरसों, अलसी, मसूर, मटर, आलू, प्याज अधिक. धान, ज्वार, बाजरा, मूँग, तिल, गेहूँ, जौ कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पन्ना	40.0		(2) ..		
3. गुन्नौर	35.2				
4. पवई	37.0				
5. शाहनगर	43.0				
जिला सागर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बीना	..		4. (1) गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, तिवड़ा, राई-सरसों, अलसी, आलू, प्याज समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. खुरई	23.3		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बण्डा	33.4				
4. सागर	33.4				
5. रेहली	27.0				
6. देवरी	36.0				
7. गढ़ाकोटा	39.8				
8. राहतगढ़	13.0				
9. केसली	52.0				
10. मालथोन	18.4				
11. शाहगढ़	40.0				

1	2	3	4	5	6
जिला दमोह :	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) लाख, तिवड़ा, तुअर, गेहूँ, चना, मटर, मसूर, राई-सरसों, अलसी बिगड़ी हुई. (2) उपरोक्त फसलें बिगड़ी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. हटा	. .				
2. बटियागढ़	. .				
3. दमोह	. .				
4. पथरिया	. .				
5. जवेरा	. .				
6. तेन्दूखेड़ा	. .				
7. पटेरा	. .				
जिला सतना :	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ अधिक, तुअर, अलसी कम. चना, मसूर, सरसों समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. रघुराजनगर	. .				
2. मझगावां	. .				
3. रामपुर-बघेलान	. .				
4. नागौद	. .				
5. उचेहरा	. .				
6. अमरपाटन	. .				
7. रामनगर	. .				
8. मैहर	. .				
9. बिरसिंहपुर	. .				
जिला रीवा :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ, चना, मसूर, अलसी, जौ कम. अरहर समान. (2) . .	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. त्योंथर	29.0				
2. सिरमौर	3.6				
3. मऊगंज	22.0				
4. हनुमना	20.8				
5. हजूर	21.3				
6. गुढ़	8.0				
7. रायपुरकर्चुलियान	31.5				
जिला शहडोल :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ, मसूर, मटर, चना, राई-सरसों, तिवड़ा कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सोहागपुर	11.0				
2. ब्यौहारी	37.0				
3. जैसिंहनगर	20.0				
4. जैतपुर	4.0				
5. बुढार	11.0				
6. गोहपारू	5.0				
जिला अनूपपुर :	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) चना, मटर, गेहूँ अधिक, मसूर कम. राई-सरसों, अलसी समान. (2) . .	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जैतहरी	12.1				
2. अनूपपुर	2.8				
3. कोतमा	5.8				
4. पुष्पराजगढ़	5.1				
जिला उमरिया :	मिलीमीटर	2. रबी फसल ओला एवं वर्षा से क्षतिग्रस्त हुई है.	3. . . 4. (1) गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, अलसी, राई-सरसों, तुअर अधिक. (2) . .	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बांधवगढ़	46.4				
2. पाली	17.0				
3. मानपुर	54.0				

1	2	3	4	5	6
जिला सीधी :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. गोपदवनास	47.2		4. (1) अलसी, सरसों, चना, मटर, मसूर, गेहूँ समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. सिंहावल	31.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. मझौली	44.0				
4. कुसमी	41.0				
5. चुरहट	9.2				
6. रामपुरनैकिन	9.7				
जिला सिंगरौली :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. ..
1. चितरंगी	..		4. (1) धान, तुअर, गेहूँ अधिक, जौ कम. ज्वार, मूँग, उड़द, कोदों, राई-सरसों, अलसी, मसूर, चना, आलू समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. देवसर	..		(2) ..		
3. सिंगरौली	..				
जिला मन्दसौर :	मिलीमीटर	2. खड़ी फसल गेहूँ, अलसी, राई-सरसों को 5% से 10% नुकसान हुई.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सुवासरा-टप्पा	36.0		4. (1) गेहूँ, चना अधिक. अलसी, रायड़ा समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. भानपुरा	52.8		(2) ..		
3. मल्हारगढ़	61.0				
4. गरोठ	53.0				
5. कयामपुर	44.2				
6. मन्दसौर	61.0				
7. धुन्धडका	72.1				
8. सीतामऊ	56.2				
9. शामगढ़	48.6				
10. संजीत	52.0				
जिला नीमच :	मिलीमीटर	2. मक्का, सोयाबीन, उड़द, मूँगफली, तिल व राई - सरसों की कटाई कार्य चालू है.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. ..
1. जावद	..		4. (1) गेहूँ, चना, राई-सरसों अधिक. मसूर, मटर कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. ..
2. नीमच	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. मनासा	..				
जिला रतलाम :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. जावरा	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. आलोठ	..		(2) ..		
3. सैलाना	..				
4. बाजना	..				
5. पिपलौदा	..				
6. रतलाम	..				
7. ताल	..				
8. रावरी	..				
जिला उज्जैन :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. खाचरौद	36.0		4. (1) गेहूँ, चना अधिक.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. महिदपुर	16.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. तराना	4.0				
4. घटिया	18.0				
5. उज्जैन	6.0				
6. बड़नगर	4.8				
7. नागदा	18.0				
जिला शाजापुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. मो. बड़ोदिया	..		4. (1) गेहूँ, चना, राई-सरसों समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. शाजापुर	2.6		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. शुजालपुर	..				
4. कालापीपल	..				
5. गुलाना	..				

1	2	3	4	5	6
जिला देवास :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) तुअर, उड़द, मूँग-मोठ, गन्ना, मूँगफली, अधिक. कपास कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सोनकच्छ				
2. टोंकखुर्द				
3. देवास				
4. बागली				
5. कन्नौद				
6. खातेगांव				
जिला झाबुआ :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ, चना, कपास अधिक. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. थांदला 26.6	26.6				
2. मेघनगर 25.0	25.0				
3. पेटलावद 25.2	25.2				
4. झाबुआ 17.0	17.0				
5. राणापुर 10.0	10.0				
जिला अलीराजपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ अधिक. तुअर, चना कम. कपास समान. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. जोवट				
2. अलीराजपुर				
3. भामरा				
4. कट्टीवाड़ा				
5. सोण्डवा				
जिला धार :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) सोयाबीन, कपास, मक्का अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. बदनावर				
2. सरदारपुर				
3. धार				
4. कुक्षी				
5. मनावर				
6. धरमपुरी				
7. गंधवानी				
8. डही				
जिला इन्दौर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. देपालपुर				
2. सांवेर				
3. इन्दौर				
4. महू				
(डॉ. अम्बेडकरनगर)					
*जिला प. निमाड़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. बड़वाह				
2. महेश्वर				
3. सेगांव				
4. खरगौन				
5. गोगावां				
6. कसरावद				
7. भगवानपुरा				
8. भीकनगांव				
9. झिरन्या				

1	2	3	4	5	6
*जिला बड़वानी :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. बड़वानी	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. ठीकरी	..		(2) ..		
3. राजपुर	..				
4. सेंधवा	..				
5. पानसेमल	..				
6. पाटी	..				
7. निवाली	..				
8. अंजड	..				
9. बरला	..				
*जिला फर्रुखनगर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. खण्डवा	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. पंधाना	..		(2) ..		
3. हरसूद	..				
जिला बुरहानपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बुरहानपुर	..		4. (1) कपास, तुअर समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. खकनार	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.	चारा पर्याप्त.	
3. नेपानगर	..				
जिला राजगढ़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. जीरापुर	..		4. (1) गन्ना, गेहूँ, चना, जौ, सरसों, मसूर	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. खिलचीपुर	..		अधिक.	चारा पर्याप्त.	
3. राजगढ़	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
4. ब्यावरा	..				
5. सारंगपुर	..				
6. नरसिंहगढ़	..				
7. पचौर	..				
जिला विदिशा :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. लटेरी	4.0		4. (1) अलसी, राई-सरसों, लाख समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. सिरोंज	3.2		(2) उपरोक्त फसलें समान.	चारा पर्याप्त.	
3. कुरवाई	5.0				
4. बासौदा	2.8				
5. नटेरन	10.0				
6. विदिशा	7.0				
7. गुलावगंज	2.0				
8. ग्यारसपुर	25.0				
जिला भोपाल :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बैरसिया	..		4. (1) गेहूँ, मसूर, चना, गन्ना समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. हुजूर	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.	चारा पर्याप्त.	
जिला सीहोर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. ..
1. सीहोर	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. आष्टा	..		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. इछावर	..				
4. नसरुल्लागंज	..				
5. बुधनी	..				

1	2	3	4	5	6
जिला रायसेन :	मिलीमीटर	2. . .	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. रायसेन	9.8		4. (1) गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, तिवड़ा, सरसों, अलसी, गन्ना समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. गैरतगंज	19.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बेगमगंज	34.0				
4. गोहरगंज	6.0				
5. बरेली	26.0				
6. सिलवानी	16.0				
7. बाड़ी	10.0				
8. उदयपुरा	25.0				
जिला बैतूल :	मिलीमीटर	2. गन्ने की कटाई का कार्य चालू है.	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. भैसदेही	. .		4. (1) गेहूँ, मसूर, चना अधिक.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. शाहपुर	. .		(2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.		
3. बैतूल	. .				
4. मुलताई	. .				
5. आमला	. .				
6. आठनेर	. .				
जिला होशंगाबाद :	मिलीमीटर	2. . .	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सिवनी-मालवा	. .		4. (1) चना, मटर, मसूर, मूँग-मोठ अधिक.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. होशंगाबाद	. .		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बाबई	. .				
4. इटारसी	. .				
5. सोहागपुर	. .				
6. पिपरिया	. .				
7. वनखेड़ी	. .				
8. पचमढ़ी	. .				
जिला हरदा :	मिलीमीटर	2. . .	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. हरदा	. .		4. (1) गेहूँ समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. खिड़किया	. .		(2) उपरोक्त फसल समान.		
3. टिमरनी	. .				
जिला जबलपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सीहोरा	22.2		4. (1) गेहूँ, चना, अलसी, राई-सरसों समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पाटन	11.6		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. जबलपुर	5.1				
4. मझौली	10.0				
5. कुण्डम	14.0				
जिला कटनी :	मिलीमीटर	2. . .	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. कटनी	31.6		4. (1) चना, अलसी, मसूर, गेहूँ, राई-सरसों, मटर, जौ समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. रीठी	30.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. विजयराघवगढ़	47.0				
4. बहोरीबंद	19.8				
5. ढीमरखेड़ा	11.0				
6. बरही	20.0				
7. बड़वार	39.0				

1	2	3	4	5	6
जिला नरसिंहपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. गाडरवारा	..		4. (1) धान, ज्वार, अलसी, मक्का, उड़द, मूंग, सोयाबीन, गेहूँ, मसूर, चना, मटर बिगड़ी हुई.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. करेली	..		(2) उपरोक्त फसलें बिगड़ी हुई.		
3. नरसिंहपुर	..				
4. गोटेगांव	..				
5. तेन्दूखेड़ा	..				
जिला मण्डला :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. निवास	7.3		4. (1) गेहूँ, चना, राई-सरसों, मटर, मसूर, सुधरी हुई.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. बिछिया	6.8		(2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.		
3. नैनपुर	7.3				
4. मण्डला	14.4				
5. घुघरी	9.1				
6. नारायणगंज	1.1				
जिला डिण्डोरी :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. पर्याप्त.
1. डिण्डोरी	..		4. (1) तुअर, राई-सरसों, गेहूँ, चना, मसूर, अलसी, मटर समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. शाहपुरा	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
जिला छिन्दवाड़ा :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. छिन्दवाड़ा	..		4. (1) गेहूँ, चना, मटर, मसूर, तिवड़ा समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. जुन्नारदेव	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. परासिया	..				
4. जामई (तामिया)	..				
5. सोंसर	..				
6. पांदुर्णा	..				
7. अमरवाड़ा	..				
8. चौरई	..				
9. बिछुआ	..				
10. हरई	..				
11. मोहखेड़ा	..				
जिला सिवनी :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सिवनी	..		4. (1) धान, मक्का, तुअर, रामतिल, गन्ना, गेहूँ, चना, राई-सरसों, मटर अधिक.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. केवलारी	..		ज्वार, बाजरा, कोदों-कुटकी, उड़द, सोयाबीन, तिल, सन, लाख, तिवड़ा कम. मूंग, मूंगफली, मसूर, अलसी समान.		
3. लखनादौन	..		(2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.		
4. बरघाट	..				
5. कुरई	..				
6. घंसौर	..				
7. घनोरा	..				
8. छपारा	..				
जिला बालाघाट :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बालाघाट	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. लाँजी	..		(2) ..		
3. बैहर	..				
4. वारासिवनी	..				
5. कटंगी	..				
6. किरनापुर	..				

टीप.— *जिला भिण्ड, खरगौन, बड़वानी, खण्डवा से पत्रक अप्राप्त रहे हैं.

राजीव रंजन,

आयुक्त,

भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश.

(342)

नियंत्रक, शासकीय मुद्रण तथा लेखन-सामग्री, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा प्रकाशित तथा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, ग्वालियर द्वारा मुद्रित-2014.